RAJYA SABHA

Friday, the 2nd August, 1991/11 *Sravana,* 1913 *(Saka)*

The House met at eleven of the clock Mr. Chairman in the chair.

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

Availability of Dhara OU in Selected Cities

*281. SHRI B. K. HARIPRASAD: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Dhara vegetable oil is now the product leader in the country;

(b) whether Dhara Oil is being marketed only in few selected cities and if so, which are those cities; and the reasons therefor; and

(c) whether Dhara oil is being market ed in Tetrapack which involves royalty in hard currency, high packaging costs and denudation of scarce forests?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI MULLAPPALLY RAMACHANDRAN); (a) Yes, Sir.

(b) No, Sir. Dhara is being marketed in a large number of cities in Maharash-rashtra, Haryana, Punjab, Jammu & Kashmir, Himachal Pradesh; Gujarat, Uttar Pradesh, Goa, the Union Territories of Delhi and Chandigarh and in Calcutta metropolitan area.

(c) NDDB is packaging Dhara Oil in tetrapack. Use of the tetrapack system for Dhara does not involve payment of any royalty in hard currency. Tetrapack is more economical and efficient than tin or any other comparable packaging. This system apart from being tamper-proof, involves minimum handling loss and utmost efficiency in transporting over long distances. While it is desirable . to, generally reduce usage of paper, the only satisfactory leak-proof packaging available with NDDB when it was appointed the market intervention agency was tetra-305 RS. brik. Hence, NDDB had no alternative, but to use it.

SHRI B. K. HARIPRASAD: Sir, the reply given by the hon. Minister clearly shows now the Ministry has neglected some of the States in the South. Dhara oil is basically an imported rape-seed oil blended with soyabean oil, gifted to our country by USA and Canada, for the cooperatives. We have been receiving this oil since 1977, but we have railed to incr-ease the domestic production. I would like to know from the hon. Minister why this vegetable oil has been sold to the traders instead of to the consumers or through the public distribution system. Almost 40 percent of the vegetable oil from 1986 has been sold to the. federation in Gujarat only 3 per cent in Madhya Pradesh and 5 per cent in Karnataka. Nothing to tha Southern States other parts of the South, and the Northern Region.

THE MINISTER OF AGRICULTURE (SHRI BALRAM JAKHAR): Mr. Chair, man, Sir, the allocation of palm oil is not there. We do not receive any palm oil. We are having only groundnut oil and mustard oil. This Dhara oil was intro duced, by way of a market intervention scheme, to maintain the price level. This came into the market only three years back. At that time, it was only 7,500 tonnes. Subsequently, it increased to 19,000 tonnes, 73,000 tonnes and 1,50,000 tonnes. There is not question of any differentiation.' Somewhere, we had to start. If it starts at one place, the people from some other place would ask- 'Why did it not. start .from our place?' Next, year we are planning to increase this to 300,000 tonnes so that we can have more even distribution. We are trying to cover as many areas as possible. There is no differentiation in that. We are not- • going *to* do that. In the case of **Kam**-taka, we sunply other varieties. In fact, the Kamataka Oil Federation is selling miustard oil. groundnut oil and Sunflower oil under the brand names SafoIa and Sun Gold in packs of 1 kg., 2 kgs. and 5 kg. It as about 100 tonnes per month.

SHRI B. K. HARIPRASAD: I would like-to-know from the hon. Minister whethe- it. is a fact that old-and woraout tetrapack machines were imported just

under one single tender by cleverly putting some terms and riders in file original tender? Why were such old machines imported? Even after ten years, **some** of these machines are working at 0—20 per cent when the actual capacity is about '35 per cent. Is it a fact and, if so, whether the *C&A.G.* would be asked to enquire into this scandal which had appeared some time back in the leading magazines of the country?

SHRI BALRAM JAKHAR: Sir, the quantity of groundnut oil and rapeseed oil which we are producing has to be packed. As the production goes up, we are going to use more and more package material. I do not think there are any irregularities in this. This is the best way of packing it. This is the best oil which is in great demand in the country today.

SHRI B. K. HARIPARASAD: I wanted to know whether old and wornout machines were imported.

SHRI BALRAM JAKHAR: Why should we allow? In fact these machines are working perfectly. You can come and see. I will show it to you. I saw it the other day.

श्री अनन्तराय देवशंकर दवे : सभापति महोदया, इस "धारा" तेल ने तो सारे देश में हैवॉक कर दिया है— हैवॉक । समझ में आ गया न, हैवॉक हो गया है सारे देश में क्योंकि पहले जब "धारा" तेल बाजार में आया तब उनका दाम क्या था और आज उनका दाम क्या है ? जिस इंटेंशन से एन० डी०डी०बी० को "धारा" तेल के लिये मार्केट इंटरवेंशन स्कीम दी गयी, वह उसमें बिल्कुल निष्फल रही, क्योंकि न किसानों को फायदा हुआ और न ग्राहकों को भी फायदा हुआ । जो मिडिलमेन था वह आज दिन तक ग्राहकों को लूटता रहता है । तो मेरा पहला सवाल है, आपने जो जवाब दिया है उसमें कि आपने कितनी रायल्टी टैट्रापैक पैकिंग के लिये दी ? मेरा "ब" सवाल यह है कि आप सोफ्ट करेंसी पर अभी नहीं दे रहे हैं, हार्ड करेंसी में नहीं दे रहे हैं, तो साफ्ट करेंसी में आज तक आपने कितनी रायल्टी दी ?

श्री बलराम जाखड़ : आप कहते हैं कि हेवॉक क्रिएट कर दिया, हम कहते हैं कि इसने बड़ा कल्याण कर दिया । अगर यह नहीं होता... (व्यवधान)

श्री अनन्तराय देवशंकर दवे : कुछ तो कीजिये आज, 41 रुपया प्रति किलो ... (व्यवधान)

श्री बलराम जाखड़ : अगर "धारा" तेल नहीं होता और अगर मार्केट इंटरवेंशन स्कीम नहीं होती तो आप गुजरात के किसानों से पूछते कि उनका क्या भाव बिकता था और बाद में क्या भाव जाता था । अगर यह नहीं होता तो अनर्थ हो गया होता । इसी में एक ही चीज है जो किसानों की है, कोआपरेटिव है, किसी के अलहदा आधिपत्य की नहीं है और वह आधिपत्य किसानों का रखना आवश्यक है कि किसान का पैसा किसान के पास जाये और यह सिर्फ कोआपरेटिव तरीका है जिसके जरिये उसके पास जा सकता है । ताकि किसान का पैसा किसान के पास जाये और यह कोआपरेटिव के माध्यम से ही उसके पास पहुंच सकता है ।

श्री अनन्तराय देवशंकर दवे : आपने कितनी रायल्टी दी, मैं यह पूछना चाहता हूं ।

श्री बलराम जाखड़ : इसका मुझे अभी ज्ञान नहीं है, मैं पूछकर बता दूंगा ।

श्री अनन्तराय देवशंकर दवे : यह टैट्रापैकिंग की रायल्टी से संबंधित है ।

श्री बलराम जाखड़ : वह बात आप की ठीक है लेकिन अभी मेरे सामने जो चीज है मैं वही बता रहा हूं ।

SHRI H. HAMNUMANTHAPEA: The Minister has staled about the **Kamataka** Oil Federation. I come from **the** area

c where groundnut oil is produced. A lot : of complaints are coming about **this** Oil Federation that there is a lot of adulteration. I am told, even engine oil is refined and sent to the Federation. There is 'no check at the level of purchasing. Also, "a number of oil mills have come up. ' They send even sometimes water, two tanks of oil and one tank of water, and get full money for that. Various complaints, have been received and also sent to the Federation. I would request you to see how this practice can be curbed. Secondly, NDDB's main responsibility was to provide milk and milk products. I certainly appreciate the efficient management of NDDB, but it has got to go throughout the country, beyond Gujarat. Oil product is a basic necessity of the people and NDDB need not be loaded with this burden of oil distribution. Let it carry on with the milk and milk products. Let there be another organisation with efficient management to take over oil.

Will the hon. Minister consider these suggestions?

श्री बलराम जाखड़ : मेरे ख्याल में कुछ ऐसे लोग हैं जिनको इसकी वजह से घाटा हो रहा है । प्राइवेट सैक्टर के कुछ लोग जो पहले किसानों को लूटा करते थे, उनको घाटा हो रहा है, इसी का यह असर है कि इस तरह की शिकायतें करवाई जा रही हैं । मैंने स्वयं इसको देखा है, मैंने पर्सनली इसको चैक किया है कि हरेक टैंकर को किस तरह से टैस्ट किया जाता है, फिर तोला जाता है । अगर वह ठीक नहीं होता तो उसको वापस भेज दिया जाता है और इसमें किसी किस्म की कोई मिलावट नहीं है । I think this is the best thing which we are producing मेरा ख्याल है कि एन०डी०डी०बी० ने जो काम किया है उसकी सराहना करनी चाहिये क्योंकि वह किसानों के हित में काम कर रहा है । हमें काम करने से क्यों रोकते हो ? अगर हम और ज्यादा बना सके तो अवश्य बनायेंगे ।

श्री सभापति : अगर उसमें खराबी होगी तो वह केस आप देख लेंगे ।

श्री बलराम जाखड़ : बिल्कुल, इसमें कोई दिक्कत नहीं है ।

श्री सुरेश पचौरी : महोदय, नेशनल डेरी डेवलपमेंट बोर्ड द्वारा धारा आयल के संबंध में जो मशीनें इंपोर्ट की जा रही हैं उसके संबंध में मेरे साथी ने बताया लेकिन उससे हटकर मैं कुछ बातों की ओर आपका ध्यान आकर्षित करना चाहूंगा । इसमें जो पैकिंग होती है और मंत्री जी ने अपने 16 मई, 1990 के उत्तर में बताया था कि यह जो पैकिंग होती है वह एक लीटर की होती है और गांव वाले लोग उसे एक किलोग्राम के समान मानकर चलते हैं । महोदय, 1977 के जो वैट्स एंड मैजरमेंटस के रूल हैं, यह उनके खिलाफ है । साथ ही उसमें जो मिक्सिंग आफ आयल्स होती है उससे कंज्यूमर्स के इंट्रस्ट्स साल्व नहीं होते और यह 1955 के इसैंशियल कमोडिटीज एक्ट के भी खिलाफ है । मैं यह जानना चाहता हूं कि क्या इस तरह की मिक्सिंग को रोकने के लिये उस एक्ट के तहत इस नेशनल डेरी डेवलपमेंट बोर्ड के खिलाफ कोई कार्यवाही की जायेगी ? साथ ही जो वैट्स एंड मैंजरमेंट्स के रूल्स की अवहेलना हो रही है, उसकी तरफ उनका ध्यान दिलाया गया है । यह सब इसलिए हो रहा है क्योंकि नेशनल डेरी डेवलपमेंट बोर्ड "कैट" के अन्तर्गत नहीं आता । यह ठीक है कि इसमें कुछ सराहनीय काम हो रहे हैं लेकिन बहुत से काम वैसे भी हो रहे हैं । इसलिये मैं जानना चाहता हूं कि क्या इस बोर्ड को "कैट" के अन्तर्गत लाया जायेगा ?

महोदय, दूसरी बात मैं यह कहना चाहता हूं कि धारा आयल के डिस्ट्रीब्यूशन का काम केवल गुजरात कोआपरेटिव मिल्क मार्केटिंग फैडरेशन को दिया गया है जिसके चेयरमैन वही हैं जो नेशनल डेरी डेवलपमेंट बोर्ड के चेयरमैन हैं । मैं यह पूछना चाहता हूं कि क्या अन्य स्टेट्स की जो फैडरेशंस हैं, उनको यह डिस्ट्रीब्यूशन का काम सौंपा जायेगा?

श्री बलराम जाखड़ : महोदय, हमने अभी तक कोई मिक्सिंग नहीं की है। ग्राउंडनट आयल अलहदा है, रेपसीड आयल अलहदा है, पामोलीन अलहदा है। जहां तक पैकिंग का सवाल है तो केवल एक किलोग्राम नहीं बल्कि अब तो छोटे-छोटे 200 ग्राम के भी पैक आने लगे हैं। कोई दिक्कत इस मामले में नहीं आई है। मैं माननीय सदस्य को आश्वासन देना चाहता हूं कि इस मामले में कोई चिंता की बात नहीं है। मशीनों के मुतल्लिक बात आप करते हैं तो कोई चीज है तो मुझे बता दीजिये। यह सिर्फ उन लोगों की बात है जो हमारे कोआपरेटिव सैक्टर का सफाया करना चाहते हैं।

SHRI SOM PAL: Honourable Chairman, I do recognize that NDDB has acquired, during the Past ' years, a welcome ' capability of influencing market prices in favour of consumers through its market intervention operations, but one of its primary objectives is to provide support to the farmers at the time of harvest through bulk purchases of oilseeds and oil in the market. During the past two years it has been observed that NDDB start their operations much after the harvest and thereby do not provide the required support to the producers, Rather, in that way they provide Support to the traders who have already acquired the crop. So my question through you, Sir, is will the honourable Minister consi-der! giving a directive to the NDDB that they start their purchase operations right at the time of beginning of the harvest?

SHRI BALRAM JAKHAR: I can as sure "the honourable Member that nothing will be spared to safeguard the interests of the farmers. Not only that. We have made tank farms here. I would like to show the honorable Member, some day, what we envisage to do. Because we have got more than 100,000 tonnes of storage capacity only at Delhi, we have to purchase and store **it** to use it later on **for** equitable distribution.-

SHRI SOM PAL My. particular ques-tion, is about a directive regarding the date of starting purchases.

SHRI BALRAM JAKHAR: I will do everything possible. Don't worry about it.

श्री विट्ठलभाई मोतीराम पटेल : सभापति जी, एन०डी०डी०बी० कोआपरेटिव में अच्छा काम कर रहा हैं लेकिन उसके खिलाफ निरन्तर कोई न कोई बातें करते रहते हैं क्योंकि व्यापारी लोग नाराज हो जाते हैं। आइल मिल वाले नाराज हो जाते हैं। इसलिये उनको इनकरेजमेंट मिलना चाहिये।

श्री बलराम जाखड़ : आप निश्चिंत रहिए। किसानों की मिल्कियत हैं उस मिल्कियत की पूरी रक्षा की जायेगी; उसको बढ़ावा दिया जायेगा। यही एक साधन है जिसकी मार्फत किसानों के घर में पैसा पहुंचेगा।

Running of Goods Train without a Driver'

282. SHRI HARVENDRA SINGH HANSPAL:t
SHRI GHUFRAN AZAM;

Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether a goods train covered nearly 103 km. without driver on the Moradabad line on the" 19th July, 1991 at a speed of 60 km. as reported in the Indian Express dated the 21st July, 1991;

(b) if so, the -details thereof;

(c) whether Government have ordered a probe into the incident;" and

(d) if so, the action. Government propose to take against the erring officials so as to Obviate, the recurrence of such are incident?

"THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY -OF . RAILWAYS (SHRl MALLIKARJUN (a) Yes, Sir. The irate

t The. question was actually, asked on **tha** floor of the House by Shri Harvendra Singh Hanspal.